26/2 Roll No. ....

MAHL–102

मध्यकालीन कविता

M. A. Hindi (MAHL–12/16/17)

First Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

   (क) निरगुन कौन देस को बासी ?

   मधुकर ! हंसि समुझाय, सौंह दै बूझति साँच, न हाँसी।
   को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि को दासी॥
   कैसो बरन, भेस है कैसो, केहि रस में अभिलासी॥
   पावेगो पुनि कियो आपनो, जो रे कहैगो गाँसी।
   सुनत मौन ह्वै रह्यो ठग्यो सो, सूर सबै मति नासी॥

(ख) अबलौं नसानी, अब न नसैहों।
राम कृपा भव-निसा सिरानी, जागे फिरि न डसैहौं॥
पायेउँ नाम चारु चिन्तामनि, उर कर तें न खसैहौं।
स्याम रूप सुचि रुचिर कसौटी, चित कंचनहिं कसैहौं॥
परबस जानि हँस्यो इन इंद्रिन, निज बस ह्वै न हँसैहौं।
मन मधुकर पन कै तुलसी रघुपति पद-कमल बसैहौं॥

(ग) मणथें परस हरि रे चरण॥ टेक॥
सुभग सीतल, कँवल कोमल, जगत ज्वाला हरण॥
इण चरण प्रह्लाद परस्याँ, इन्द्र पदवी धरण।
इण चरण ध्रुव अटल करस्याँ, सरण असरण सरण॥
इण चरण ब्रह्माण्ड मेट्याँ, नखशिखां गिरि भरण।
इण चरण कालियाँ णाथ्याँ, गोपी लीला करण॥
इण चरण गोबरधन धर्याँ, गरब मधवा हरण।
दासि मीराँ लाल गिरिधर, अगम तारण तरण॥

(घ) अति सूधो सनेह को मारगु है,
जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँधे चलैं तजि आपनपौ,
झिझकैं कपटी जे निसाँक नहीं॥
घनआनन्द प्यारे सुजान सुनौ,
यहाँ एक ते दूसरौ आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटि पढ़े हो लला,
मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं॥

2. भक्ति आन्दोलन के उदय की पृष्ठभूमि का विस्तृत विवेचन करते हुए भक्तिकाल के हिन्दी साहित्य की विविध धाराओं की प्रमुख प्रवृत्तियों का उदाहरण सहित परिचय प्रस्तुत कीजिए।
3. मलिक मुहम्मद जायसी की रचनाओं का परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का विशद विवेचन प्रस्तुत कीजिए।
4. रीतिकाल की सामाजिक पृष्ठभूमि की विवेचना करते हुए रीति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उदाहरण सहित परिचय प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड ‘ख’ में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निर्गुण एवं सगुण भक्ति का पारस्परिक अन्तर स्पष्ट कीजिए।
2. कबीरदास की काव्य-भाषा पर एक संक्षिप्त टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।
3. सूरदास के वात्सल्य वर्णन की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
4. तुलसीदास की भक्ति भावना की विशेषताओं का संक्षिप्त विवेचन प्रस्तुत कीजिए।
5. मलिक मुहम्मद जायसी के काव्य में वर्णित विरह के स्वरूप और महत्व पर प्रकाश डालिए।
6. केशवदास के काव्य में सम्वाद योजना के स्वरूप और महत्व पर एक संक्षिप्त टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

7. रीति का स्वरूप स्पष्ट करते हुए रीतिसिद्ध कवियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8. रीतिमुक्त कवियों की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. निम्नलिखित में से 'श्री सम्प्रदाय' के संस्थापक आचार्य कौन हैं ?
   (क) वल्लभाचार्य
   (ख) रामानुजाचार्य
   (ग) मध्वाचार्य
   (घ) निम्बार्काचार्य

2. रामभक्ति शाखा में प्रचलित भक्ति का दार्शनिक आधार निम्नलिखित में से क्या है ?
   (क) शुद्धाद्वैत
   (ख) द्वैताद्वैत
   (ग) विशिष्टाद्वैत
   (घ) द्वैत

3. निम्नलिखित में से कौन निर्गुण धारा की ज्ञानमार्गी शाखा के कवि नहीं हैं ?
   (क) कबीरदास
   (ख) मलिक मुहम्मद जायसी
   (ग) दादू दयाल
   (घ) रविदास

4. 'अष्टछाप' की स्थापना भक्ति की किस शाखा के अन्तर्गत की गयी ?

(क) राम-भक्ति शाखा

(ख) ज्ञानमार्गी शाखा

(ग) प्रेममार्गी शाखा

(घ) कृष्ण-भक्ति शाखा

5. 'भक्तमाल' निम्नलिखित में से किनकी रचना है ?

(क) नाभा दास

(ख) नंद दास

(ग) कुम्भन दास

(घ) परमानंद दास

6. निम्नलिखित में से किनकी रचना पर 'मसनवी शैली' का प्रभाव है ?

(क) कबीरदास

(ख) सूरदास

(ग) मलिक मुहम्मद जायसी

(घ) तुलसीदास

7. 'भ्रमरगीत' निम्नलिखित में से किस रचना का अंश है ?

(क) विनयपत्रिका

(ख) पद्‌मावत

(ग) कवितावली

(घ) सूरसागर

8. "केसव कहि न जाइ का कहिए।
देखत तव रचना विचित्र अति, समुझि मनहिं मन रहिए।"
उपरिलिखित पंक्ति किस कवि की हैं ?
(क) केशवदास
(ख) तुलसीदास
(ग) सूरदास
(घ) कबीरदास

9. 'रसराज' शीर्षक रचना निम्नलिखित कवियों में से किसकी है ?
(क) मतिराम
(ख) बिहारी
(ग) घनानन्द
(घ) केशवदास

10. रीतिकाल को श्रृंगारकाल निम्नलिखित में से किन्होंने कहा है ?
(क) राहुल सांकृत्यायन
(ख) मिश्रबन्धु
(ग) शिवसिंह सेंगर
(घ) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र